MP Board Class 7th Social Science Solutions Chapter 7 पृथ्वी की गतियाँ

प्रश्न 1.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:
(1) पृथ्वी अपनी धुरी पर ……………….. घण्टे में एक बार घूमती है।
(2) पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा …………….. दिन में करती है।
(3) दिन व रात का होना पृथ्वी की ……… का परिणाम है।
(4) पृथ्वी को …………. से ताप प्राप्त होता है।
(5) अक्षतल से पृथ्वी का अक्ष ……………. अंश झुका है।
उत्तर:
(1) 24
(2) 3654
(3) घूर्णन
(4) सूर्य
(5) 662.

प्रश्न 2.
निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए –

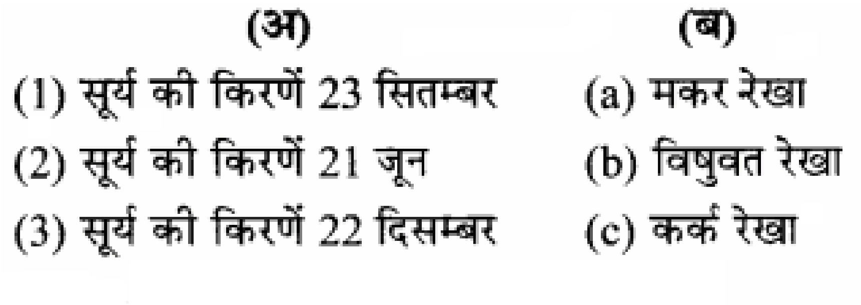

(अ)	(ब)
(1) सूर्य की किरणें 23 सितम्बर	(a) मकर रेखा
(2) सूर्य की किरणें 21 जून	(b) विषुवत रेखा
(3) सूर्य की किरणें 22 दिसम्बर	(c) कर्क रेखा

उत्तर:
(1) (b) विषुवत रेखा
(2) (c) कर्क रेखा
(3) (a) मकर रेखा

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 3.
(1) घूर्णन गति से क्या आशय है ?
उत्तर:
पृथ्वी अपनी अक्ष पर घूमते हुए 24 घण्टे में एक चक्कर पूर्ण कर लेती है। पृथ्वी की इस गति को घूर्णन गति कहते

हैं। पृथ्वी पर दिन-रात इसी गति के कारण होते हैं।

(2) पृथ्वी की परिक्रमण गति किसे कहते हैं ?
उत्तर:
पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमते हुए एक अण्डाकार मार्ग पर सूर्य के चारों ओर 3651 दिन में एक चक्कर लगा लेती है। पृथ्वी की इस गति को परिक्रमण गति कहते हैं। इस गति के कारण ऋतु परिवर्तन होते हैं।
(3) ऋतु परिवर्तन पृथ्वी की किस गति का परिणाम है ?
उत्तर:
ऋतु परिवर्तन पृथ्वी की परिक्रमण गति का परिणाम है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 4.
(1) पृथ्वी की गतियों को सचित्र समझाइए।
उत्तर:
पृथ्वी अन्तरिक्ष में अपने अक्ष पर घूमने के साथ – साथ अण्डाकार मार्ग पर सूर्य की परिक्रमा करती है। इस प्रकार पृथ्वी की दो गतियाँ होती हैं –

- घूर्णन अथवा दैनिक गति
- परिक्रमण अथवा वार्षिक गति।

(i) घूर्णन गति – पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमते हुए 24 घण्टे में एक चक्कर पूर्ण कर लेती है। पृथ्वी की इस गति को घूर्णन गति कहते हैं

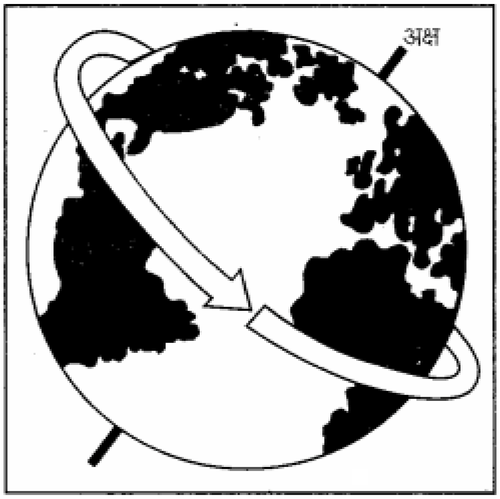

पृथ्वी की घूर्णन गति

(ii) परिक्रमण गति – पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमते हुए एक अण्डाकार मार्ग पर सूर्य के चारों ओर 365 दिन में सूर्य का एक चक्कर लगाती है। पृथ्वी की इस गति को परिक्रमण गति कहते हैं।

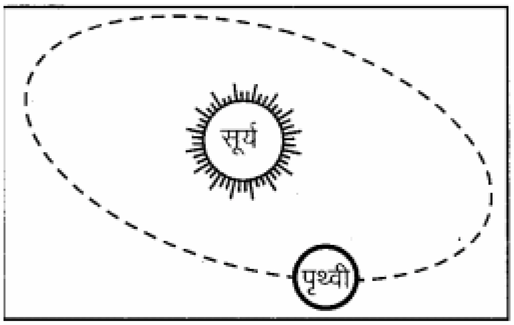

परिक्रमण गति

(2) पृथ्वी पर दिन-रात किस प्रकार होते हैं ? समझाइए।

उत्तर:

पृथ्वी अपने अक्ष पर 23 1 झुकी हुई निरन्तर घूमती रहती है तथा एक पूर्ण चक्कर 24 घण्टे में पूरा कर लेती है। यह पृथ्वी की दैनिक गति अथवा घूर्णन गति कहलाती है। पृथ्वी की इस गति के कारण ही पृथ्वी पर दिन-रात होते हैं। पृथ्वी अपने अक्ष पर घूर्णन करने के साथ-साथ सूर्य का परिक्रमण भी करती है। पृथ्वी की इन गतियों में पृथ्वी का जो भाग सूर्य के सामने पड़ जाता है वहाँ दिन तथा जो भाग पीछे छाया में रहता है, वहाँ रात होती है।

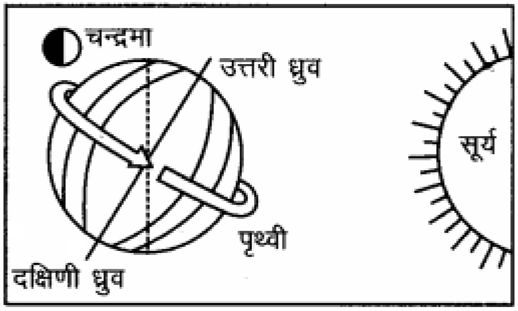
चन्द्रमा
उत्तरी ध्रुव
सूर्य
पृथ्वी
दक्षिणी ध्रुव

पृथ्वी पर रात और दिन

(3) पृथ्वी के ऋतु परिवर्तन का नामांकित चित्र बनाइए।

उत्तर:

ऋतु परिवर्तन

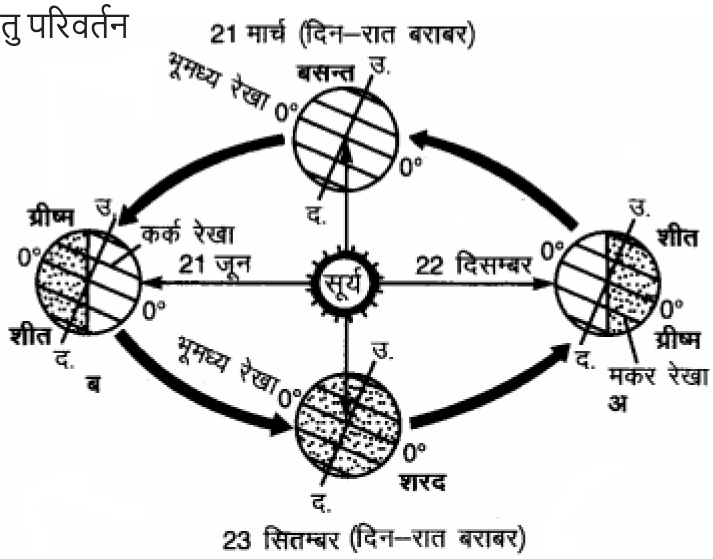
21 मार्च (दिन—रात बराबर)
भूमध्य रेखा
बसन्त
उ.
0°
0°
द.
ग्रीष्म
उ.
कर्क रेखा
0°
21 जून
0°
शीत
द.
ब
सूर्य
22 दिसम्बर
0°
उ.
शीत
0°
ग्रीष्म
द.
मकर रेखा
अ
भूमध्य रेखा
उ.
0°
0°
शरद
द.
23 सितम्बर (दिन—रात बराबर)

ऋतु परिवर्तन